राजस्थानी संस्कृति एवं इतिहास में डिप्लोमा

दो सेमेस्टर (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)

प्रथम सेमेस्टर

1. RHC-01 प्राचीन राजस्थान
2. RHC-02 मध्यकालीन राजस्थान
3. RHC-05 आधुनिक राजस्थान
4. RHC-04 हाड़ौती का इतिहास एवं संस्कृति
5. RHC-05 प्रायोगिक परीक्षा

द्वितीय सेमेस्टर

6. RHC-06 राजस्थान की चित्रकला व स्थापत्य
7. RHC-07 राजस्थान के धार्मिक व सामाजिक आन्दोलन जीवन एवं
8. RHC-08 राजस्थान की साहित्यिक विरासत
9. RHC-09 राजस्थान की लोक कलायें व उत्सव
10. RHC-10 प्रायोगिक परीक्षा

RHC-01 प्राचीन राजस्थान

प्रथम सेमेस्टर

इस प्रष्न पत्र मे पाँच इकाइयाँ होंगी –

इकाई प्रथम

(1) प्राचीन राजस्थान के इतिहास के स्त्रोत, प्राचीन राजस्थान की भौगोलिक विषेषताऐं, प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ – पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण काल, एवं नवपाषाण काल / ताम्रयुगीन व ताम्रपाषाणिक सभ्यताऐं – बालाथल, आहड, गणेष्वर। राजस्थान म सरस्वती–द्वषदती सभ्यता–कालीबंगा।

इकाई द्वितीय

वैदिक युग से मौर्य युग तक राजस्थान–जनपद–मत्स्य जनपद के विषेष संदर्भ मे/राजस्थान की गणतात्रिक जातियाँ – षिवि, मालव आदि।

इकाई तृतीय

राजपूतो की उत्पत्ति, गुर्जर प्रतिहारों का उदय एवं विस्तार ।

इकाई चतुर्थ

गुहिलो का अभ्युदय चाहमान साम्राराज्य का विस्तार।

इकाई पंचम

सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन, प्राचीन व्यापारिक केन्द्र एवं मार्ग।

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. गोपीनाथ शर्मा – राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ
   अकादमी, जयपुर।
2. गोपीनाथ शर्मा – राजस्थान का इतिहास, शिव लाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।

3. गोपीनाथ शर्मा – राजस्थान के इतिहास के स्त्रोत, भाग–1, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
4. विशुद्धानन्द पाठक – उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास, उत्तरप्रदेष हिन्दी संस्थान, लखनऊ
5. डी.सी. शुक्ला – अर्ली हिस्ट्री आफ राजस्थान, लखनऊ।
6. दशरथ शर्मा – राजस्थान थ्रु दि एजेज, भाग–1, राजस्थान राज्य, बीकानेर
7. कोमलकान्त शर्मा – मत्स्य जनपद क्षैत्र की कला एवं पुरातत्व
8. गोविन्द मीणा – पूर्वी राजस्थान का पुरातातविक एवं सांस्कृतिक इतिहास
9. Dr. K.C. Jain– Ancient cities and towns of Rajasthan
10. Gazetteers – of various states.

RHC-02 मध्यकालीन राजस्थान

इस प्रश्न पत्र मे पाँच इकाइयाँ होंगी –

इकाई प्रथम

मुस्लिम आक्रमण एवं प्रतिराध – रणथम्भौर, चितौड़, जालौर राणाकुंभा की दिल्ली, मालवा एवं गुजरात से संबंध, कुम्भा की सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।

इकाई द्वितीय

मुगल–राजपूत संघर्ष, मेवाड सांगा व महाराणा प्रताप/चन्द्रसेन/मालदेव के हुमायूँ व शेरशाह से सम्बन्ध।

इकाई तृतीय

राजपूत–मुगल सम्बन्ध – आमेर, मारवाड़, बीकानेर व हाड़ौती, मुगल साम्राज्य की शिथिलता एवं राजपूत राज्यों का मुगल प्रभाव से मुक्त होना।

इकाई चतुर्थ

रास्थान में मराठों का विस्तार, हुरडा सम्मेलन, सवाई जयसिंह की मराठा नीति। राजपूत कालीन प्रशासन, जागीरदारी एवं सामन्तो प्रथा।

इकाई पंचम

मध्यकालीन राजस्थान का सामाजिक व आर्थिक जीवन।

राजस्थान में पर्यावरणोय चेतना एवं जल संरक्षण परम्परा।

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. गोपीनाथ शर्मा – राजस्थान थ्रू द एजेज़ भाग–2
2. गौरीशंकर हिराचन्द ओझा – राजपूताने का इतिहास (सभी खण्डों के सम्बंधित अश)
3. हरविलास शारदाः– महाराणा कुंभा।
4. विरेन्द्र स्वरूप भटनागर :– सवाई जयसिंह।
5. गोपीनाथ शर्मा :– सोशल लाईफ इन मिडवल राजस्थान।
6. आर.पी.व्यासः– महाराणा प्रताप ।
7. अनुपम मिश्रः– राजस्थान की रजत बूंदे।
8. डॉ.ईश्वर सिंह राणावत :–राजस्थान के जल संसाधन
9. भुवनेश जैन :– ओरण–हमारा जीवन
10. डॉ.कुसुम सोलंकीः– भारतीय बावड़ियाँ (राजस्थान के संदर्भ में)
11. डॉ.बेनी गुप्ताः– मराठा पेनीट्रेशन इन टु राजस्थान
12. वाई.डी.सिंहः– राजस्थान की झीलें व तालाब
13. डॉ. मोहनलाल गुप्ताः– राजस्थान की पर्यावरणीय संस्कृति
14. डॉ. श्याम व्यासः– वाटर रिर्सोस मेनेजमेन्ट इन इण्डिया, अ हिस्टोरीकल स्टडी (अ केस स्टडी ऑफ राजस्थान)

RHC-03 आधुनिक राजस्थान

इस प्रश्न पत्र मे पाँच इकाइयाँ होंगी –

इकाई प्रथम

राजपूत राज्यो की अंग्रेजो से सन्धियाँ (1817–18) एवं उनका महत्त्व। ब्रिटिश सार्वभौमिकता का विकास।

इकाई द्वितीय

राजस्थान मे 1857 की क्रान्ति–केन्द्र, स्वरूप, कारण व परिणाम।

इकाई तृतीय

राजस्थान मे ब्रिटिश नीति का विकास (1870–1924), भू–राजस्व व्यवस्थाऐं एवं उनका प्रभाव, प्रशासनिक एवं न्यायिक सुधार।

इकाई चतुर्थ

किसान व जनजाति आन्दोलन, स्वतन्त्रता संग्राम व क्रान्तिकारी गतिविधियां, प्रजामण्डल आन्दोलन।

इकाई पंचम

सामाजिक परिवर्तन एवं सुधार। दयानन्द सरस्वती एवं आर्य समाज की भूमिका का प्रभाव, नमक, अफीम संधियाँ व रेल का विकास, राजस्थान का एकीकरण।

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. डॉ. एम.एस. जैनः– आधुनिक राजस्थान का इतिहास।
2. डॉ. आर.पी. व्यासः–आधुनिक राजस्थान का वृहत् इतिहास, खण्ड–1 व2
3. डॉ. बी.एल. पनगडियाः– राजस्थान म स्वतन्त्रता संग्राम।
4. डॉ. विनीता परिहारः– राजस्थान मे प्रजामण्डल आन्दोलन
5. डॉ. बृजकिशोर शर्माः– राजस्थान मे किसान एवं आदिवासी आन्दोलन।
6. डॉ. के.एस. सक्सेनाः– राजस्थान मे राजनैतिक जनजागरण।
7. डॉ. एच.एस. शर्माः– ट्रेड एंड कॉमर्स इन वेस्टर्न राजपूताना।
8. डॉ. जगदीश सिंह गहलोतः– द हिस्ट्री ऑफ राजपूताना।
9. डॉ. एस.पी. व्यासः– राजस्थान में शहरीकरण और व्यापारिक मार्ग।

RHC-04 हाड़ौती का इतिहास एवं संस्कृति

इस प्रश्न पत्र मे पाँच इकाइयाँ होंगी–

इकाई प्रथम

बूंदी राज्य की स्थापना, माण्डू, मेवाड, मुगलों, मराठों व अंग्रजों से सम्बन्ध, कृषक विद्रोह व स्वतन्त्रता आन्दोलन, एकीकरण।

इकाई द्वितीय

कोटा राज्य की स्थापना, बूंदी, मुगलों, मराठों व अंग्रजों से सम्बन्ध, 1857, क्रान्तिकारी गतिविधियाँ, स्वतन्त्रता आन्दोलन, एकीकरण।

इकाई तृतीय

झालावाड़ राज्य की स्थापना, झाला जालिम सिंह, अंग्रजों से सम्बन्ध, 1857, स्वतन्त्रता आन्दोलन, एकीकरण।

इकाई चतुर्थ

हाड़ौती की चित्रकला व स्थापत्य कला

– कोटा, बूंदी चित्र"शैली, भित्ती चित्र, शैल चित्र

– दुर्गः– तारागढ़, शेरगढ़, गागरोन, गढ़ पैलेस

– मंदिरः– सूर्य मंदिर (झालरापाटन), केशोरायपाटन के मंदिर

इकाई पंचम

– त्यौहार, उत्सव, मेले, लोक कला, धर्म (वैष्णव सम्प्रदाय, नाथ सम्प्रदाय, सूर्य पूजा, जैन धर्म व बौद्ध धर्म) तीज, दषहरा।

– हाड़ौती के अभिलेख/षिलालेख, बोली, साहित्य

– जल स्त्रोत

– प्रमुख पर्यटन स्थल।

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. बूंदी राज्य का जिला गजेटियर
2. कोटा राज्य का जिला गजेटियर
3. झालावाड़ राज्य का जिला गजेटियर
4. एस.आर. खान– हाड़ौती के बोलते शिलालेख
5. डॉ. एम.एल. साहु–अलनियाँ में शैलचित्रों का ऐतिहासिक व सास्कतिक अध्ययन
6. डॉ. तेजसिंह मवई– दर्श के शैलचित्रों का ऐतिहासिक व सास्कतिक अध्ययन
7. डॉ. अरविन्द सक्सेना – बूंदी राज्य का इतिहास
8. डॉ. मथुरालाल शर्मा – कोटा राज्य का इतिहास
9. डॉ. सम्पूर्णानन्द – बूंदी के शिलालेख
10. डॉ. पूनम सिंह – बूंदी के जल स्त्रोत
11. डॉ. पीताम्बरदत्त शर्मा – बूंदी राज्य के ऐतिहासिक स्थल
12. डॉ. एम.एल.गुप्ता – कोटा संभागः–जिलेवार ऐतिहासिक व सास्कतिक अध्ययन
13. ललित शर्मा – झालावाड़ – इतिहास, संस्कति, और पर्यटन
14. एच.जे. मंगलानी – झालावाड़ राज्य का इतिहास, संस्कति
15. ललित शर्मा – राजर्षि संत पीपाजी
16. डॉ. एम.एल. गुप्ता – क्रान्तिकारी बारहठ केसरीसिंह
17. शिवम् सोढ़ी – बूंदी पेंटिग्स
18. आर.ए. अग्रवाल – बूंदी (The city of painted walls)
19. डॉ. सीमा गर्ग व डॉ. सज्जन पोसवाल – 1857 व कोटा
20. डॉ. राधारानी शर्मा – हाड़ौती में लोक कला के माण्डनें
21. डॉ. कहानी भानावत – राजस्थान की सांझी कला
22. महाराज कुमार ब्रिजराज सिंह – द किगंडम देट वाज़ कोटा
23. स्टुअर्ट केरीवेल्च – गोड्स, किंग्स एण्ड टाइगर– द आर्ट ऑफ कोटाह
24. डॉ. बेनी गुप्ता – मराठा पेनीट्रेशन इन टु राजस्थान
25. हरीमोहन प्रधान – हाड़ौती के तीर्थ स्थल

26.डॉ. रामप्यारी शास्त्री – झाला जालिम सिंह
27.नन्दन चतुर्वेदी – राजस्थान के लोक तीर्थ
28.डॉ. मोनिका गौतम – कोटा क्षैत्र की मूर्तिकला
29.के.सी.कासलीवाल – राजस्थान का प्राचीन जैन तीर्थ–केशवरायपाटन
30.डॉ. स्वाति चर्पे – केशोरायपाटन के मंदिर (अप्रकाशित शोध ग्रंथ)
31.पं. अभिन्न हरी – राज. स्वर्ण जयंती समारोह समिति–जयपुर
32.राजस्थान म स्वतन्त्रता संग्राम के अमर पुरोधा–केसरी सिंह बारहठ, जोरावर सिंह बारहठ, प्रताप सिंह बारहठ– राज. स्वर्ण जयंती समारोह समिति–जयपुर
33.बद्रीनारायण वर्मा – कोटा भित्ती चित्रांकन परम्परा
34.कुं. मदन सिंह राठौड़–शेरगढ़ के सूरमा
35.डॉ. सोनकुँवर हाड़ा – बूंदी राज्य के ऐतिहासिक परिपेक्ष्य में कला एवं संस्कति
36.डॉ. चन्द्रमणि सिंह – पुरा वैभव : हाड़ौती
37.ज्योत्सना श्रीवास्तव – इतिहास के विभिन्न आयाम (हाड़ौती के संदर्भ में)
38.कमला कमलेश – हाड़ौती लोक काव्य संपदा
39.डॉ. कन्हैयालाल शर्मा – हाड़ौती बोली और साहित्य
40.जितेन्द्र निर्मोही,सी.एल. सांखला–हाड़ौती अंचल का आधुनिक राजस्थानी काव्य
41.डॉ.जगतनारायण – कोटा के महाराव उम्मेद सिंह द्वितीय एवं उनका समय
42.शंकर सहाय सक्सेना – राजस्थान में क्रांतिकारी परिवार
43.नरेश विजयवर्गीय – स्वतन्त्रता आन्दोलन, कोटा
44.पं. रामकरण – कोटा रियासत
45.डॉ. शांति भारद्वाज – हाड़ौती का स्वतन्त्रता आन्दोलन

46.डॉ. महेन्द्र खड़गावत– राजस्थान स्वाधीनता संग्राम के साक्षी हाड़ौती अंचल

47.अर्चना कुलश्रेष्ठ – हाड़ौती का पुरातत्व

48.डॉ. कन्हैयालाल वर्मा – हाड़ौती साहित्य और स्वरूप

49.डॉ. जगतनारायण – महाराव भीम सिंह द्वितीय

50.एस.आर. खान– झालावाड़ राज्य का इतिहास

RHC-05

RHC- प्रायोगिक परीक्षा

–राजस्थान के किसी दुर्ग पर प्रोजेक्ट प्रतिवेदन तैयार करना।

–क्षैत्र भ्रमण, भ्रमण किसी स्थान या विरासत के अध्ययन का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करना।

द्वितीय सेमेस्टर

RHC-06

राजस्थान की चित्रकला व स्थापत्य

इस प्रश्न पत्र मे पाँच इकाइयाँ होंगी–

इकाई प्रथम

– राजस्थान मे प्राचीन शैल चित्र एवं उसके केन्द्र

– राजस्थानी चित्रकला का उद्भवः–जैन एवं अजन्ता शैली का प्रभाव

– मेवाड़ शैलो – उदयपुर, नाथद्वारा

– हाडोती शैली – कोटा, बून्दी

इकाई द्वितीय

– मारवाड शैलो :– जोधपुर, बीकानेर किशनगढ
– ढूढार शैलो :– आमेर, जयपुर, अजमेर

इकाई तृतीय

– लघु चित्र, भित्ति चित्र
– राजस्थान के स्तंभ, छतरियाँ, बावड़ियों का स्थापत्य

इकाई चतुर्थ

– मंदिर स्थापत्य व प्रमुख मंदिर–ओंसिया, देलवाड़ा, रणकपुर, चन्द्रभागा के मंदिर, केशोरायपाटन, भण्ड़देवरा, झालरापाटन का सूर्य मंदिर, बड़ोली

इकाई पंचम

दुर्ग स्थापत्य :– मेहरानगढ़ चितौड़, कुंभलगढ़, गागरौन

हवेली स्थापत्यः– जैसलमेर, शेखावाटी

बोद्ध स्थल एवं, गुफाऐंः– कौल्वी, बैराठ

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. जयसिंह नीरजः– राजस्थानी चित्रकला
2. धर्मवीर वशिष्ठः– मारवाड़ की चित्रकला
3. वन्दना जोशीः– नाथद्वारा चित्र"शैली
4. त्रिलोकीनाथ चतुर्वेदीः– राजस्थान वैभव
5. जयसिंह नीरजः– राजस्थान की सास्कतिक परम्परा
6. डॉ. राघवेन्द्र सिंह मनोहरः– राजस्थान के प्रमुख दुर्ग

RHC-07

राजस्थान का सामाजिक जीवन व धार्मिक विश्वास एवं परम्पराऐं

इस प्रश्न पत्र में पाँच इकाइयाँ होंगी–

इकाई प्रथम

राजस्थान की सामाजिक स्थिति – परिवार, स्त्री, रीति–रिवाज, संस्कार, शिक्षा, व्यवसाय व सामाजिक सुधार

इकाई द्वितीय

विभिन्न सम्प्रदाय – शैव, शाक्त, वैष्णव व सूर्य पूजा, नाथ सम्प्रदाय

विभिन्न धर्म – जैन धर्म व बौद्ध धर्म का प्रसार व प्रभाव

इकाई तृतीय

भक्ति परम्परा के प्रमुख संत :– मीरा, दादू, पीपाजी, चरणदास

प्रमुख सम्प्रदाय :– रामस्नेही सम्प्रदाय, जसनाथी सम्प्रदाय, विश्नोई सम्प्रदाय

इकाई चतुर्थ

लोकदेवी :– जमवाय माता, बाणमाता, आवडमाता, करणीमाता, जीणमाता,
शीतलामाता, आईमाता

इकाई पंचम

पर्यावरण एवं जल संरक्षण परम्परा :–

– कुएँ, तालाब, बावड़ी, बांध

– वनों, अभ्यारणों का संरक्षण

– पर्यावरण संरक्षण में विश्नोई समाज की भूमिका

– ओरण की परम्परा

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. दिनेश चन्द्र शुक्लः– राजस्थान की भक्ति परम्पराएवं संस्कृति
2. डॉ. पेमारामः– मध्यकालीन राजस्थान के धार्मिक आन्दोलन, अर्चना

3. रामप्रसाद दाधीचः— राजस्थानो सन्त सम्प्रदाय
4. हीरालाल माहेशवरीः— संत जाभोजी
5. एस.एन. दुबे (सं):— रिलिजियस मूवमेंट् इन राजस्थान
6. डी.सी. शुक्ला :— स्पिरिच्युअल हेरिटेज आफ राजस्थान
7. जी.एन. शर्मा :— सोश्यल लाइफ इन मेडोवल राजस्थान
8. अनुपम मिश्रः— राजस्थान की रजत बूदें

RHC-08 राजस्थान की साहित्यिक विरासत

इस प्रश्न पत्र में पाँच इकाइयाँ होंगी—

इकाई प्रथम

संस्कृत साहित्य – पृथ्वीराज विजय, हम्मीर महाकाव्य, राजवल्लभ, राजविनोद, एकलिगं महात्म्य
वंशावलीयाँ – वंशावली लेखन परम्परा की अवधारणा, विषय क्षैत्र, ऐतिहासिक स्त्रोत के रूप में महत्व, वर्तमान में वंशावलीयों की प्रासंगिकता

इकाई द्वितीय

ख्यात साहित्य– प्रमुख ख्यात : आलोचनात्मक व्याख्या, रासो साहित्य, वचनिक, वेति, वात, संत साहित्य

इकाई तृतीय

राजस्थान में रचित ऐतिहासिक ग्रंथ – कान्हड़दे प्रबन्ध, बेलि किसन रूकमणि, वंश भास्कर, सूरज प्रकाश

इकाई चतुर्थ

आधुनिक ऐतिहासिक ग्रंथ एवं लेखक
एनल्स एण्ड एंटीक्वीटीज़ ऑफ राजस्थान, वीर विनोद, वीर सतसई
प्रमुख इतिहासकार – गौरी”शंकर हीराचंद ओझा, श्यामलदास, मथुलाल शर्मा

इकाई पंचम

आधुनिक गद्य एवं पद्य साहित्य एवं साहित्यकार, नाटक, उपन्यास शिवचंद्र भरतिया, विजयदान देथा, कन्हैयालाल सेठिया, लक्ष्मी कुमारी चुंडावत

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. भूपतिराम साकरियाः– अचलदास खीचीं री वचनिका
2. डॉ. मनोहर शर्माः– राजस्थानी वात साहित्य एवं अध्ययन
3. कोमल कोठारीः– राजस्थानः एन ओरल हिस्ट्री
4. रामचन्द्र बोराः– कन्टेम परेरी राजस्थानी लिट्रेचर
5. डॉ. लक्ष्मीकान्त शर्माः– राजस्थान का समकालीन कथा साहित्य
6. डॉ. नरेन्द्र भानावतः– राजस्थान वेलि साहित्य
7. (सं) दीनदयाल औझाः– राजस्थान के कहानीकार
8. डॉ. पी.एल. मेनारीयाः– राजस्थानी साहित्य का इतिहास
9. डॉ. गार्गी चौधरीः– विजयदान देथाः लोक एवं संस्कति
10. (सं) जुगल किशोर जैथलियाः– कन्हैयालाल सेठियाः समग्र राजस्थानी
11. (सं) जहूर खाँ मेहरः– रानी लक्ष्मी कुमारी चुंडावत रचनावली
12. डॉ. ऋचा गौड़ः– कान्हड़दे प्रबन्ध में संस्कति और समाज

RHC-09 राजस्थान की लोक कलाएं व उत्सव

इस प्रश्न पत्र में पाँच इकाइयाँ होंगी–

इकाई प्रथम

लोक गीत, लोक संगीत, लोक नृत्य, नाटक, स्वांग, लीला

इकाई द्वितीय

हस्तकलाएः– ब्लूपोटरी, थेवा कला, उस्ताकला, मीनाकारी, काष्ठकला, लाख स्थानीय उद्योग, रत्नाभूषण, टेराकोट

इकाई तृतीय

मारवाडो समाज एवं शेखावटी अँचल की उद्यमिता

इकाई चतुर्थ

आभूषण, वस्त्र–साफे, लहरीया, चुंदड़ी, पोमचा, बंधेज, दाबू, रंगाई, छपाई

इकाई पंचम

लोकोत्सव, त्यौहार, मेले, व्रत, उपवास

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. जयसिंह नीरज व भगवतीलाल शर्मा (सं.) :–राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा
2. गोपीनाथ शर्माः– राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास
3. महेन्द्र सिंह नागरः– राजस्थान के व्रत एवं उत्सव
4. मंजुश्री क्षीरसागरः– राजस्थान संगीत परम्परा
5. रमेश बोराणा :– राजस्थान के लोक वाद्य।
6. कमलेश माथुरः– हस्तशिल्प कला के विविध आयम
7. डॉ. लक्ष्मी कुमारी चूण्डावतः– राजस्थान के सांस्कृतिक लोक गीत
8. प्रीति प्रभा गोयलः– राजस्थान के व्रत एवं त्यौहार
9. डी. के.टकनेतः– इण्डस्ट्रियल एन्ट्रिप्रेअरशिप ऑफ शेखावाटी मारवाड़ी
10. गुलाब कोठारीः– राजस्थान की ग्रामीण कलाऐं एवं कलाकार
11. आभा एन. लाम्भाः– शेखावटी हवेली ऑफ द मरचेन्ट प्रीन्सेज़
12. डॉ. शकुन्तला बाफनाः– राजस्थान के लोक नृत्य
13. जी.एल. माथुरः– फोक लोरी ऑफ राजस्थान
14. चन्द्रमणी सिंह :– परफोरमिंग आर्ट ऑफ राजस्थान
15. श्री लालाराम शर्माः– हेला ख्याल
16. उमेश भार्गवः– भोप लोक गीत एवं सामाजिक संरचना
17. जे.एल. हाण्डुः– फोक लोरी ऑफ राजस्थान
18. वन्दना भण्डारीः– कॉस्ट्यूम टेक्सटाइल्स एण्ड ज्वेलरी ऑफ इण्डियन ट्रेडीशन इन राजस्थान
19. डॉ. ज्ञानवती वैद मेहताः– राजस्थानी लोक नाट्यों में संगीत

RHC- 10 — लघु शोध प्रबंध तैयार करना।